VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 01 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1834)

Name of Candidate	MANISHA		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	627862
Center	Delhi	Date	1/09/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Sunga dynasty contributed significantly to the cultural and social development in ancient India. Discuss. **(150 words) 10**

प्राचीन भारत में सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में शुंग वंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चर्चा कीजिए।

भारत के सांस्कृतिक व सामाजिक विकास में शुंग राजवंश की महत्वपूर्ण भूमिका है। शुंग राजवंश का क्षेत्र विजयनगर साम्राज्य के समीपवर्ती क्षेत्रों में था तथा गुप्त शासन के विघटन के बाद इस राजवंश की स्थापना हुई थी।

महत्व :-

⇒ द्राविड़ शैली का विकास –

↳ मंदिर वास्तुकला की शैली जिसमें विमान का आकार नागर शैली की अपेक्षा आयेक होता था।

⇒ वेसर शैली में कई मंदिरों का निर्माण कराया गया जिसमें नागर तथा वेसर शैली दोनों की विशेषता पाई जाती थी।

⇒ प्रशासन शासन की पद्धति मजबूत थी साथ ही केंद्रीकरण का तत्व भी प्रबल था।

⇒ समाज मुख्य रूप से पितृसत्तात्मक था लेकिन महिलाओं को भी सम्मान प्राप्त था।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ महिलाओं की शिक्षा व राजनीतिक उपस्थिति बहुत कम थी।

⇒ महिलाओं संबंधी कुछ कुप्रथाएँ भी विद्यमान थी।

⇒ गुप्त राजवंश के दौरान अजंता की चित्रकला का विकास अपने चरम पर था।

⇒ गुप्त राजवंश के राजा हरिसेन ने अजंता चित्रकला व गुफाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

⇒ सभी धर्मों को प्रोत्साहन देने के साथ बौद्ध धर्म संबंधी गुफाओं के विकास के साथ अन्य धर्मों को भी प्रोत्साहन दिया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Discuss the role of foreign nationals in the Indian freedom struggle during the Gandhian phase. **(150 words) 10**

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के गांधीवादी चरण के दौरान विदेशी नागरिकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

गांधीवादी चरण की शुरुआत 1914 से मानी जाती है तथा स्वतंत्रता प्राप्ति तक के समय को गांधीवादी चरण में शामिल किया जाता है। कई विदेशी नागरिकों के द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

विदेशी नागरिकों का योगदान –

(1) एनी बेसेंट → भारत में होमरूल लीग की स्थापना आयरलैंड की तर्ज पर करना।

→ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका जैसे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में योगदान

→ कांग्रेस के लखनऊ समझौते के तहत नरमपंथी व गरमपंथी को एकसाथ लाने में भूमिका

→ स्वराज की अवधारणा को लोगों तक पहुंचाने तथा भारतीय जनमानस को राजनीतिक रूप से शिक्षित करना

→ भारतीय संस्कृति व वेदों के प्रति लगाव से भारतीय लोगों में भी अपनी संस्कृति के प्रति लगाव की भावना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② सिस्टर निवेदिता – ये स्वामी विवेकानंद की शिष्या थी जिन्होंने अपना जीवन भारत की सेवा में लगा दिया

→ स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

→ वेदों की शिक्षा व स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसी प्रकार ऐनी बेसेंट, नेली सेनगुप्ता के द्वारा कांग्रेस की अध्यक्षता की गई तथा स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Provide an account of the contributions of Ram Manohar Lohia during the Indian freedom struggle and in post-independence India. **(150 words) 10**
भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत में राम मनोहर लोहिया के योगदान का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

राम मनोहर लोहिया ने भारत के असहयोग आंदोलन के दौरान अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की गई तथा देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी उनका योगदान देश के विकास में महत्वपूर्ण रहा।

योगदान – शिक्षा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका.

→ देश में एकता की भावना के विकास को बढ़ावा

→ देश के विभाजन के बाद पुनर्वास प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका

→ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने व आत्मनिर्भर बनाने की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण कार्य।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

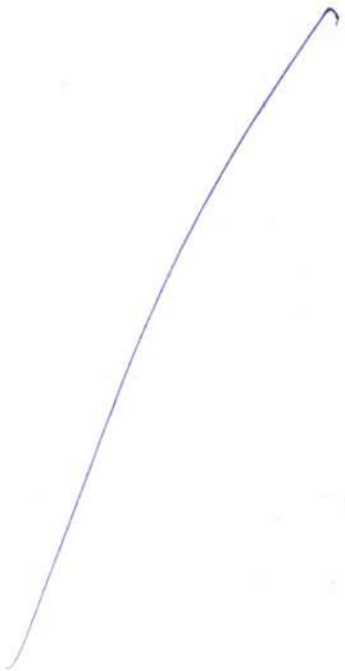

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do you understand by tsunamigenic zones? Giving an account of their global distribution, explain the propagation of tsunamis. **(150 words) 10**

सुनामी जनक क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? उनके वैश्विक वितरण का विवरण देते हुए, सुनामी के संचरण की व्याख्या कीजिए।

सुनामी मुख्यतः भूकंप के कारण उत्पन्न होती है। भूकंप के कारण उत्पन्न समुद्री अव्यवस्था का परिणाम ही ~~सुनामी~~ सुनामी है। इसलिए इन्हें भूकंपीय लहरें भी कहा जाता है। इनका प्रमुख प्रभाव उत्तरी प्रशांत व दक्षिण प्रशांत क्षेत्रों में देखा जाता है।

उत्पत्ति के कारण

- भूकंप
- प्लेटों में उत्पन्न अव्यवस्था
- प्लेटों का आभिसारी प्रवाह
- प्लेटों का रूपांतरण प्रवाह

वितरण :-

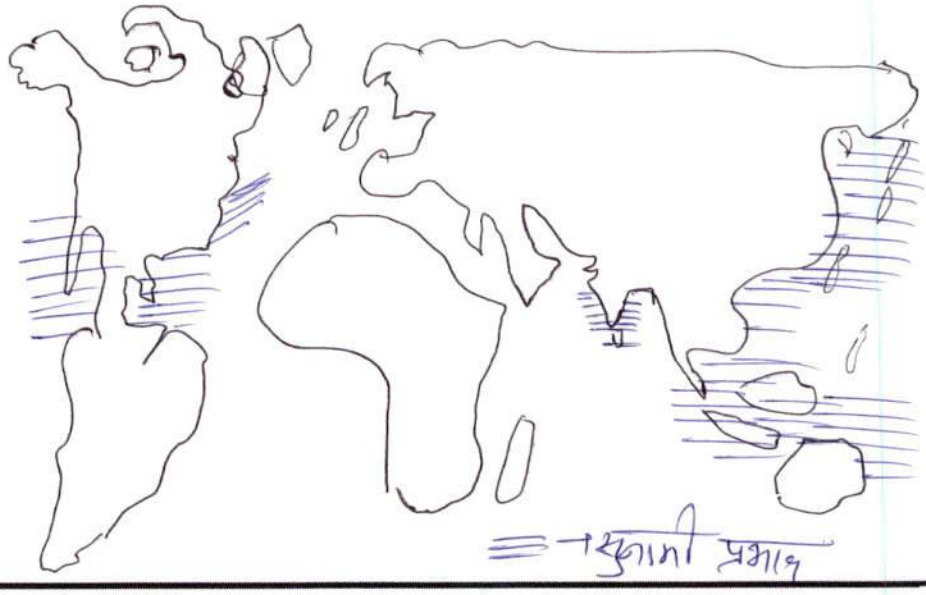

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुनामी संरक्षण → ① जितनी अधिक समुद्री गहराई होती है। सुनामी तरंगों का प्रभाव उतना कम होता है क्योंकि लंबाई बढ़ने से सम्पूर्ण लहरों की गति कम हो जाती है

उदाहरण - इसलिए समुद्रों के बीच में जहाजों द्वारा सुनामी का अनुभव कम किया जाता है।

② समुद्री गहराई में कमी सुनामी लहरों की गति व तीव्रता को बढ़ा देती है जिस कारण उनका प्रभाव विनाशकारी साबित होता है।

जैसे - तट पर सुनामी के लहरें तीव्रता से तटों पर चल जाती है तथा भयंकर तबाही का कारण बनती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. What are atmospheric lakes? Highlight their characteristics.

(150 words) 10

वायुमंडलीय झीलें क्या हैं? उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

वायुमंडल में विद्यमान आर्द्रता की आधिक्यता को वायुमंडलीय झील कहा जाता है। इनका विकास तीव्र संवहन की क्रिया के कारण होता है। जिसमें निम्न दाब की विद्यमानता के कारण तापमान की आधिक्यता होती है। तथा आधिक्य तापमान के कारण वायु का तीव्र संवहन होता है।

⇓

तीव्र संवहन के कारण संघनन की गुप्ता ऊष्मा निकलती है। जिसकी परिणामस्वरूप तापमान और आर्द्रता बढ़ जाता है। इसी के परिणामस्वरूप पवनों और आर्द्रता ऊपर उठती है।

⇓

आर्द्रता ऊपर उठने के कारण संघनन की प्रक्रिया तीव्र हो जाती है क्योंकि तापमान कम हो जाता है जिसमें बड़ी वर्षा की बूंदों का विकास होता है।

⇓

भार की आधिक्यता के कारण गुरुत्वाकर्षण बल में वृद्धि होती है तथा इनका भूपटल पर प्रवेश होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव - इससे तीव्र वर्षा होती है तथा वर्षा की अधिकता से वनस्पति का विकास बेहतर होता है।

→ तीव्र वर्षा से क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति भी पैदा हो जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are polymetallic nodules? Highlight their geographical distribution and state their significance. **(150 words) 10**

पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स (बहुधात्विक ग्रंथियां) क्या हैं? उनके भौगोलिक वितरण पर प्रकाश डालिए और उनका महत्व बताइए।

बहुधात्विक ग्रंथियां धात्विक पिंड होते हैं। जिनमें कई महत्वपूर्ण धातुओं जैसे- मैंगनीज, ताम्र, लौह, निकेल, सोना, चांदी आदि का संग्रह पाया जाता है। इनका विस्तार मुख्यतः महासागरीय मैदान में पाया जाता है तथा भविष्य के ऊर्जा व संसाधनों की प्राप्ति में इनका महत्व है। सर्वाधिक विस्तार हिंदमहासागर में पाया जाता है।

वितरण :-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्व :- भविष्य में ऊर्जा की प्राप्ति में प्रयोग
जैसे - यूरेनियम व मोनाजाइट का प्रयोग

→ सोना, चाँदी आदि के अन्वेषण से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत

→ अन्वेषण हेतु यानों के विकास से देश में तकनीकी विकास को बढ़ावा

→ भविष्य में संसाधनों की स्थल से समाप्ति पर इनका प्रयोग विकास को बढ़ावा देगा।

भारत की स्थिति - ① संयुक्त राष्ट्र द्वारा भारत को हिंद महासागर में अन्वेषण की अनुमति दी गई है।

② समुद्रयान परियोजना इसी दिशा में किया प्रयास है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What are technical textiles? In view of their significance, discuss the steps taken by the government to promote them in India. **(150 words) 10**

तकनीकी वस्त्र क्या होते हैं? उनके महत्व को देखते हुए भारत में उन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिए।

तकनीकी वस्त्र से आशय उन वस्त्रों से है। जिनके निर्माण में उच्च तकनीकी विकास पर ध्यान दिया जाता है तथा जो कई प्रकार की तकनीक से सम्पन्न होते हैं। जैसे - बुलेटप्रूफ जैकेट द्वारा पहने जाने वाले कपड़े रेडिएशन के प्रति शरीर की सुरक्षा करते हैं। भारत में विश्व के 1·1· से भी कम तकनीकी वस्त्र का उत्पादन किया जाता है।

महत्व :- उच्च मांग के कारण निर्यात में वृद्धि
→ विदेशी मुद्रा की प्राप्ति
→ आय सृजन व रोजगार को बढ़ावा
→ वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी बढ़ेगी।
→ तकनीकी वस्त्रों विकास में भारत के तकनीकी विकास को बढ़ावा

सरकार के प्रयास :-
① समर्थ योजना :- वस्त्र मंत्रालय के द्वारा तकनीकी वस्त्र के उत्पादन संबंधी प्रशिक्षण

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बढ़ावा देने के लिए सुझाव

→ प्रशिक्षण के साथ प्रशिक्षुक को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

(2) तकनीकी वस्त्र विकास हेतु मिशन –

इसे विशेष रूप से तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लाया गया है। जिसका उद्देश्य निर्यात में इनकी भागीदारी बढ़ाना है।

वर्तमान में तकनीकी वस्त्रों का विकास रोजगार व आर्थिक विकास दोनों के लिए आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Discuss the challenges that internal migration creates for urban governance in India. Also, suggest measures to address the same. **(150 words) 10**

भारत में आंतरिक प्रवासन द्वारा शहरी शासन के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों की विवेचना कीजिए। साथ ही, इससे निपटने के उपायों का भी सुझाव दीजिए।

भारत में आंतरिक प्रवासन पर जारी गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सर्वाधिक प्रवासी अंतः राज्यीय प्रवास करते हैं। उसके बाद अंतरराज्यीय प्रवासियों का स्थान आता है।

प्रवसन

लंबी दूरी
अधिकांश - पुरुष
कारण - रोजगार, शिक्षा

कम दूरी
अधिकांश - महिला
कारण - विवाह, शिक्षा

प्रवसन के कारण शहरी शासन समक्ष उत्पन्न चुनौती

(1) मलिन बस्ती का निर्माण
- निम्न जीवन स्तर
- अपराधियों द्वारा अपराध करके छुप जाना
- रोग फैलने की स्थिति में संक्रमण रोकने में समस्या

(2) शहरी अवसंरचना पर अत्यधिक दबाव तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ते प्रदूषण के कारण दमा में वृद्धि

→ बेरोजगारी के कारण अपराधों व चोरी में वृद्धि

→ सभी तक आधारभूत सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करना

प्रयास :- मलिन बस्ती के निवासियों हेतु घरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना

→ संवेदनशील क्षेत्रों (अपराध) की पहचान व उसकी सुरक्षा बढ़ाना

→ क्षेत्र में विकास गतिविधि को बढ़ावा

→ गंतव्य स्थानों पर आधारभूत अवसंरचना का विकास।

सरकारी प्रयास-

① दीनदयाल उपाध्याय शहरी आजीविका मिशन इस क्षेत्र में की गई प्रशंसनीय पहल है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Discuss the various opportunities and challenges posed by globalization on working women in India. **(150 words) 10**

भारत में कामकाजी महिलाओं के लिए वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न विभिन्न अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

वैश्वीकरण के तहत एक देश के आर्थिक व संचार साधनों का वैश्विक स्तर पर एकीकरण होता है। जिससे एक देश की गतिविधि व आर्थिक स्थिति का प्रभाव पड़ता है.

सभी क्षेत्रों पर वैश्वीकरण ने महिलाओं की स्थिति को सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों तरीकों से प्रभावित किया है.

प्रभाव

सकारात्मक	नकारात्मक
→ आर्थिक अवसरों के सृजन में वृद्धि से रोजगार की उपलब्धता में वृद्धि	→ जनसंख्या की अपेक्षा रोजगार की कम उपलब्धता
→ आर्थिक अवसरों में वृद्धि से आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।	→ वैश्वीकरण ने भौतिकवाद को बढ़ाया है ⇓ महिला को उपभोग की वस्तु समझने की दर में वृद्धि ⇓
→ कुशल व अकुशल दोनों प्रकार के रोजगारों में वृद्धि से सशक्तिकरण	

में वृद्धि

→ पोषण व जीवन स्तर में वृद्धि

→ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति जागरूकता में वृद्धि

→ शोषण के प्रति आवाज उठाने की संभावना में वृद्धि

→ स्वयं के जीवन व महत्व के प्रति जागरूकता

→ आर्थिक सशक्तता से बच्चों के पोषण व शिक्षा में सुधार

उनके प्रति होने वाले शोषण व यौन उत्पीड़न में वृद्धि

→ पुरुषों की अपेक्षा कम आय

→ ऑफिस में पुरुषों के समान महत्व नहीं।

→ ऑफिस व घर की जिम्मेदारी का दोहरा बोझ

→ मानसिक तनाव की स्थिति

प्रयास :- विशाखा वाद में सुप्रीम कोर्ट द्वारा यौन हिंसा संबंधी दिशानिर्देश प्रदान किए हैं जिन्हें प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Discuss the rationale behind anti-conversion laws in India. Also, state the concerns that have been raised with regard to these laws.

(150 words) 10

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों के पीछे निहित तर्कों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, इन कानूनों के संबंध में व्यक्त चिंताओं का भी उल्लेख कीजिए।

दोल ही में कर्नाटक द्वारा धर्मांतरण विरोधी कानून पारित किया है। इससे पूर्व की कई राज्यों जैसे मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश आदि के द्वारा ऐसे कानून पारित किए गए हैं।

पारित करने के कारण :-

→ बलपूर्वक धर्मांतरण गतिविधि को रोकना

→ विवाह के द्वारा होने वाली धर्मांतरण की गतिविधियों में दबाव के कारण होने वाले धर्मांतरण को रोकना

→ गरीबी लोगों को प्रभावित करके उनका धर्मांतरण करना

→ बलपूर्वक हुए धर्मांतरण के बाद पहले वाले धर्म में आने को बढ़ावा देना

→ संविधान में उल्लंघित प्रावधानों को बढ़ावा देना

चिंता :- कुछ लोगों का मानना है कि यह अनुच्छेद 25 से 28 में दी गई धार्मिक स्वतंत्रता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रावधानों के विरुद्ध है।

→ अल्पसंख्यक समुदायों में अलगाव की भावना को बढ़ावा

→ बहुसंख्यक आबादी के प्रभाव में वृद्धि व अल्पसंख्यक पर दबाव बढ़ सकता है।

→ धर्म आदि के आधार पर भेदभाव की समाप्ती के प्रावधान अनुच्छेद 15 के विरुद्ध है।

→ व्यक्तिगत स्वतंत्रता के निर्णय को कम महत्व देना

महत्व :- संवेदनशील क्षेत्रों व वर्गों में होने वाले बलपूर्वक धर्मांतरण में कमी होगी तथा अनुच्छेद 25 के प्रावधानों को बढ़ावा मिलेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Central Asian contacts had a profound political and cultural impact on India in ancient times. Discuss. **(250 words) 15**

प्राचीन काल में मध्य एशियाई संपर्कों का भारत पर गहरा राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा है। विवेचना कीजिए।

प्राचीन काल में मध्य एशियाई संपर्क के कारण भारत में कई प्रकार के राजनीतिक व सांस्कृतिक प्रभाव पड़े। जिनके कारण भारत का विकास तथा सामाजिक व्यवस्था भी प्रभावित हुई।

प्राचीन काल के कुछ मध्य एशियाई

↓ शक वंश | ↓ बैक्ट्रियाई | ↓ कुषाण | ↓ यूनानी

कुषाण ↓ प्रमुख शासक कनिष्क

राजनीतिक प्रभाव :-

① बैक्ट्रियाई यूनानियों द्वारा क्षत्रप प्रणाली की शुरुआत
↓
→ जिसमें सेनाध्यक्ष के माध्यम से प्रांतों का शासन किया जाता है।
→ अत्यधिक केंद्रीकरण की स्थिति

② कुषाण शासकों के द्वारा शुरू की मुद्रा व्यवस्था
विशेषता → सबसे उत्कृष्ट भाव के सिक्के जारी किए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सबसे उच्च गुणवत्ता युक्त सोने के सिक्के जारी
- प्रत्येक सिक्के पर अक्षर या राजा-रानी के चित्रों का अंकन

③ सेना में घोड़ों का महत्व –
- तीव्रता के साथ आगे बढ़ना व पीछे हटने की पद्धति
- युद्ध में विजय हेतु उच्च गुणवत्ता के घोड़ों के विकास पर ध्यान

(III) सांस्कृतिक प्रभाव :-

① गांधार कला :– उत्तर पश्चिम भारत में गांधार मूर्तिकला की शुरुआत जिसमें सर्वप्रथम बौद्ध की मूर्ति बनाई गई
- बौद्ध धर्म का प्रभाव अधिक

② पहनावे पर प्रभाव – कुर्ता-पायजामा के पहनावे में वृद्धि
- जूते पहनने की शुरुआत
- लंबे कोट की शुरुआत
- पर्दा के प्रभाव में वृद्धि

→ खरोष्ठी लिपी की शुरुआत व ब्राह्मी लिपी पर भी मध्य एशीयाई प्रभाव मिला है.

→ अशोक के द्वारा निर्मित कुम्राहार का महल ईरानी संपर्क से प्रभावित है.

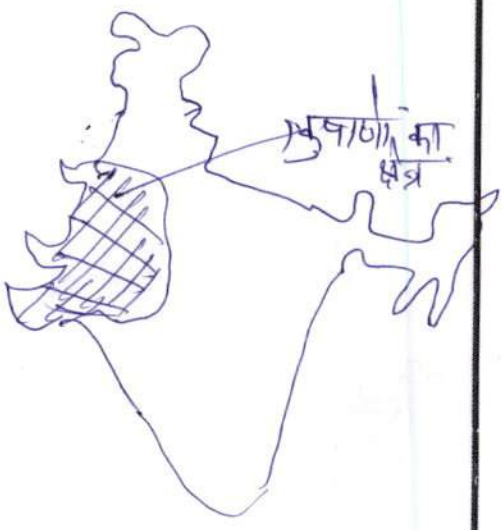

→ अशोक स्तंभ में भी फलक व आपत्राकार स्तंभ की बनावट में ईरानी प्रभाव दिखता है.

इस प्रकार मध्यएशीयाई प्रभाव ने भारत की राजनीतिक व सांस्कृतिक दोनों क्षेत्रों को प्रभावित किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Governance, during the British rule, was a means of exploitation of India rather than a vehicle of public welfare. Discuss. **(250 words) 15**

ब्रिटिश राज के दौरान शासन (गवर्नेंस), लोक कल्याण के एक माध्यम के बजाय भारत के शोषण का एक साधन था। विवेचना कीजिए।

ब्रिटिश काल की स्थापना प्लासी के युद्ध (1757) के बाद ही हो गई थी। लेकिन बक्सर के युद्ध व 1773 के रेगुलेटिंग Act के द्वारा वैधानिक मान्यता भी प्राप्त हो गई। तथा द्वितीय स्थिति में मजबूत हो गई।

भारत में ब्रिटिशों के द्वारा कई योजना चलाई गई जिनका प्रमुख उद्देश्य कल्याण को बढ़ावा देना नहीं बल्कि आर्थिक संसाधनों का शोषण करना था। जैसे –

(1) रेलवे मान्यूट Act 1854 के तहत आधुनिक रेलवे की शुरुआत करना।

↳ उद्देश्य → निर्यात को बढ़ावा देना तथा निर्यात में लगने वाले समय को कम करना
→ पिछड़े क्षेत्रों तक ब्रिटिश उत्पादों की पहुँच स्थापित करना
→ पिछड़े व सभी क्षेत्रों से कच्चा माल की प्राप्ति व बंदरगाह तक समय पर पहुँच को बढ़ाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) आधुनिक डाक सेवा की डलहौजी द्वारा शुरुआत
- उद्देश्य
  - प्रशासनिक संचार व्यवस्था को मजबूत करना
  - विपत्ति के समय में तीव्र सूचना की उपलब्धता बढ़ाना

(3) कृषि क्षेत्र की नीति
- जमींदारी प्रथा, रैयतवाड़ी व महलवाड़ी बंदोबस्त
- गंगा नहर की शुरुआत व सिंचाई व्यवस्था की शुरुआत
- पूसा में कृषि अनुसंधान संस्थान
- उद्देश्य
  - आर्थिक से आर्थिक राजस्व की प्राप्ति
  - अपनी आर्थिक स्थिति को कृषि आय के आधार पर मजबूत करना
  - निर्यातोन्मुख आय स्रोत की प्राप्ति

(4) शिक्षा क्षेत्र
- अंग्रेजी भाषा को शिक्षा माध्यम द्वारा मान्यता देना
- वुड डिस्पैच द्वारा अंग्रेजी व आधुनिक शिक्षा की शुरुआत
- शिक्षा में सुधार हेतु कई विभिन्न आयोग जैसे- हंटर, सैडलर आयोग
- उद्देश्य
  - शिक्षित कर्मचारियों की निर्यातोन्मुख प्राप्ति
  - वर्ग का गठन जो चमड़ी से भारतीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लेकिन सैन्य के आधार पर अंग्रेज हो।

भारत पर प्रभाव → आधुनिक विचारों का प्रसार
- शिक्षा प्रसार से गुलामी का अहसास
- सामाजिक व धार्मिक सुधारों को बढ़ावा
- तकनीकी विकास की शुरुआत
- रेलवे व डाक द्वारा देश का एकीकरण व राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा
- एकता की भावना को बढ़ावा

भले ही अंग्रेजों ने भारत के संसाधनों के शोषण हेतु साम्राज्य की स्थापना की थी लेकिन भारत में आधुनिक विकास की शुरुआत भी इसी का परिणाम थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Discuss how India successfully dealt with the sensitive issue of language, which had the potential of threatening national unity in the post-independence period. **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत ने भाषा के संवेदनशील मुद्दे का, जिसमें स्वातंत्र्योत्तर अवधि में राष्ट्रीय एकता के समक्ष खतरा उत्पन्न करने की क्षमता थी, किस प्रकार सफलतापूर्वक समाधान किया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भाषा का मुद्दा काफी संवेदनशील था क्योंकि 1920 के नागपुर अधिवेशन में महात्मा गांधी एवं तिलक के द्वारा भाषा के आधार पर प्रांतो की स्थापना को अपना समर्थन प्रदान किया गया था।

भाषा संबंधी मुद्दे

(1) संघ की भाषा का निर्धारण

(2) राज्यों का भाषा के आधार पर पुनर्गठन

(#) प्रथम विवाद का समाधान :-

(1) संघ की भाषा हिंदी निर्धारित की गई तथा कुछ समय तक अंग्रेजी के प्रयोग को भी मान्यता

↓

दक्षिण राज्यों विशेषकर तमिलनाडु में आंदोलन की शुरुआत जिसमें हिंदी विरोधी आंदोलन प्रमुख था

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇓

आंदोलन के कारण संघर्ष, हिंसा व अलगाववाद की भावना में वृद्धि

⇓

परिणामस्वरूप भाषा अधिनियम 1963 के तहत हिंदी के साथ अंग्रेजी के प्रयोग को भी मान्यता प्रदान की गई।

⇓

संघ की भाषा हिंदी के साथ अंग्रेजी की स्थापना।

(II) द्वितीय विवाद का समाधान :-

⇒ भाषा के आधार पर राज्यों के निर्माण को स्वतंत्रता के पूर्व से ही समर्थन प्राप्त था
जैसे - नागपुर अधिवेशन, नेहरू रिपोर्ट

⇒ राष्ट्रीय एकता को ध्यान में रखते हुए भाषा के आधार पर राज्यों के गठन का निर्धारण हेतु जेवीपी समिति का गठन
↳ जिसने भाषा आधार पर राज्यों के गठन को मना कर दिया

⇓

आंध्र प्रदेश में तीव्र व हिंसक आंदोलन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिसके पोट्टी श्रीरामुलु के अनशन के कारण मृत्यु

⇓

फजल अली आयोग का गठन जिसके भाषा के आधार पर राज्यों के गठन को मान्यता लेकिन एक राज्य में एक भाषा के सिद्धांत को नकारा

⇓

7 वां संविधान संशोधन पारित तथा 14 राज्यों व 6 संघ शासित प्रदेशों का गठन हुआ जिसमें राष्ट्रीय एकता व प्रशासनिक सुविधा को वरीयता दी।

इस प्रकार स्वतंत्रता के बाद उठे भाषा संबंधी विवादों को उचित कार्रवाई व सही वक्त पर संवैधानिक प्रावधानों द्वारा सुलझा लिया गया क्योंकि गणतांत्रिक राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने हेतु इनका प्रभावी समाधान अत्यावश्यक था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Bring out the factors, which led to decolonisation after the Second World War. Also, discuss the role played by India in this regard. **(250 words) 15**

उन कारकों का उल्लेख कीजिए, जिनके चलते द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विउपनिवेशीकरण हुआ। साथ ही, इस संबंध में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विउपनिवेशीकरण में वृद्धि हुई। विउपनिवेशीकरण से औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा अपने लाभ हेतु किए गए दूसरे देशों पर आधिपत्य की समाप्ति हुई। तथा समानता एवं लोकतांत्रिक आधार पर स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय हुआ।

विउपनिवेशीकरण के कारण :-

⇒ द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पर परिवर्तित वैश्विक शक्ति संतुलन

↓

अब ब्रिटेन की अपेक्षा अमेरिका व सोवियत संघ का महाशक्ति के रूप में उदय

⇒ साम्राज्यवादी देशों की जनता द्वारा स्वयं औपनिवेशवाद की समाप्ति हेतु आंदोलन करना

⇒ संयुक्त राष्ट्र का उदय

⇒ नव स्वतंत्र राष्ट्रों द्वारा अन्य औपनिवेशिक राष्ट्रों की स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायता करना

जैसे - भारत द्वारा अफ्रीकी देशों की सहायता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ युद्ध के कारण ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति कमजोर

⇒ सैनिकों द्वारा भी विरोध प्रोत्साहन न दिखाना

⇒ संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा डाला गया दबाव

⇒ विश्व के देशों में समानता, स्वतंत्रता व भ्रातृत्व के विचारों का प्रसार

उपनिवेशवाद की समाप्ति में भारत की भूमिका –

1. भारत द्वारा घाना की स्वतंत्रता प्राप्ति में क्वामे एनक्रूमा को दिया सहयोग
2. दक्षिण अफ्रीका की नस्लवादी सरकार की आलोचना
3. वियतनाम में फ्रांस के युद्ध तथा अमेरिका द्वारा दी सहायता की आलोचना
4. मध्यपूर्व में पश्चिम यूरोप द्वारा अपनाई गई नीतियाँ जैसे-बाल्कन युद्ध, साइक्स पीकोट समझौतों की निंदा
5. साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद व नस्लवाद के विरोध को अपनी विदेशी नीति में शामिल करना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) चीन की स्वतंत्रता को सर्वप्रथम मान्यता देने वाला राष्ट्र

इस प्रकार भारत ने अपनी स्वतंत्रता की प्राप्ति के साथ ही विश्व के अन्य देशों को भी स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायता प्रदान की है 1947 में आयोजित एशिया सम्मेलन इसका उदाहरण है.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are Marine Heat Waves (MHW)? Identify the causes of their formation and discuss their consequences for India. **(250 words) 15**

समुद्री ग्रीष्म लहरें (MHW) क्या हैं? उनके निर्माण के कारणों की पहचान कीजिए और भारत के लिए उनके परिणामों की विवेचना कीजिए।

समुद्री ग्रीष्म लहरों से आशय समुद्री लहरों के तापमान में होने वाली वृद्धि है। सामान्यतया: समुद्री लहरों के तापमान में 6 से 8°C तक की वृद्धि को ग्रीष्म लहरें कहते हैं जो समुद्री जीवन के साथ तटीय जीवन को प्रभावित करती है।

उत्पत्ति के कारण :-

→ आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन ने उत्पत्ति को बढ़ावा दिया है.

→ ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन व समुद्रों द्वारा कार्बन सिंक के रूप में कार्य करना

→ मैंग्रोव व तटीय पारितंत्र की हानि से ग्रीन कार्बन सिंक में कमी की है.

→ सेटर फॉर साइंस की रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी तट भारत का समुद्री ग्रीष्म लहरों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है.

निर्माण के प्रभाव :—

तटीय क्षेत्रों में

→ तटीय क्षेत्रों में गर्मी के दिनों व तीव्रता में वृद्धि

→ समुद्री क्षेत्रों से आने के कारण वर्षा की संभावना

→ वर्षा के कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति

→ बाढ़ के कारण तटीय नगरों में अवसंरचना व जीवन की हानि

⇓

भारत के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव

⇓

गरीबी व भुखमरी में वृद्धि

समुद्री क्षेत्रों में

→ तापमान में वृद्धि से प्रवाल विरंजन में वृद्धि

→ प्रवालों पर निर्भर छोटी मछलियों को आवास व भोजन की कमी

⇓

छोटी मछली मृत्यु से समस्त खाद्य शृंखला के समक्ष संकट

⇓

मनुष्य को पोषण की हानि

→ प्रजनन दर व संचार पर प्रभाव

→ कार्बन संग्रहण में कमी

प्रयास :- सतत विकास लक्ष्य-14 के तहत महासागरों के संधारणीय विकास का लक्ष्य रखा गया है।

→ 'कार्बन न्यूट्रल नाऊ' इनीशिएटिव के द्वारा कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने का लक्ष्य

एफएओ (FAO) के अनुसार भविष्य की खाद्य संभावना महासागरीय क्षेत्र है। इसलिए इनके संधारणीय प्रयोग पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. What are the geo-climatic conditions required for oil palm cultivation? Do you agree with the view that India should promote its large-scale cultivation to reduce import dependency? **(250 words) 15**

ऑयल पाम (ताड़ के तेल) की खेती के लिए आवश्यक भू-जलवायविक दशाएं क्या हैं? क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि आयात निर्भरता कम करने के लिए भारत को इसकी बड़े पैमाने पर खेती को बढ़ावा देना चाहिए?

भारत विश्व का सबसे बड़ा पाम आयल आयातक देश है जो अपनी कुल मांग का लगभग 60% भाग आयात के द्वारा पुरा करता है।

पाम ऑयल हेतु अनुकूल परिस्थिति :-

(1) उष्णकटिबंधी क्षेत्र की जलवायु जिसमें मुख्यत: 0° से 10° उ० व द० अक्षांश शामिल है

(2) उच्च तापमान व आर्द्रता

(3) मृदा में निक्षालन के कारण पोषण तत्व की कमी

(4) वनीय क्षेत्रों में क्षमता की आवश्यकता

(5) उच्च श्रमबल की उपस्थिति व समान विकास हेतु निवेश की आवश्यकता

(6) संवहनीय वर्षा के तहत 200cm तक वर्षा की प्राप्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत का राष्ट्रीय पॉम ऑयल मिशन :-

विशेषता → पॉम ऑयल खेती के तहत 8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का विकास

→ उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों की उपलब्धता

→ मुख्यतः उत्तर पूर्वी व पूर्वी क्षेत्रों पर ध्यान

→ किसानों को कई प्रकार के प्रोत्साहन

→ किसानों को MSP (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की भाँति न्यूनतम मूल्य प्रदान करना

→ विपणन व विकास में सहायता देना

प्रभाव

नकारात्मक

→ भारत के उच्च जैवविविधता क्षेत्र की हानि

→ अत्यधिक उपजाऊ मिट्टी पर खेती के कारण अन्य खाद्यान्न उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव

सकारात्मक

→ आयात निर्भरता में कमी

→ विदेशी मुद्रा की हानि कम

→ निर्यात को बढ़ाने से आय में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उत्तरी पूर्वी क्षेत्र जैवविविधता हॉट-स्पॉट में आता है। जैसे हाथी घोंगी

→ उत्पादन में 3-5 साल का समय तब तक आय नहीं

→ खेती के बाद मिट्टी की उर्वरता में कमी

→ किसानों के पास तकनीक व प्रशिक्षण का अभाव

→ किसानों की आय व जीवन स्तर में वृद्धि

→ पाम ऑयल क्षेत्र में किसानों को प्रशिक्षण की प्राप्ति

→ भारत के कम विकसित क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा

आगे :- तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ जैवविविधता का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है इसलिए दोनों पर ध्यान देकर कार्रवाई करनी चाहिए।

17. In view of the changes witnessed in the state of Himalayan cryosphere, discuss the implications for India's water security. **(250 words) 15**

हिमालयी क्रायोस्फीयर (हिमांक-मंडल) की स्थिति में देखे गए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, भारत की जल सुरक्षा के लिए इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

हिमालयी क्रायोस्फीयर वह क्षेत्र है जो सदैव हिम से आच्छादित रहता है। हाल ही में जारी IPCC की रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक हिमालय क्षेत्र हिममुक्त हो जाएगा यदि वर्तमान दर से तापमान में वृद्धि जारी रहती है।

पिघलने के कारण -

→ हिमालय क्षेत्र का अवसंरचनात्मक विकास

→ जलवायु परिवर्तन के कारण तापन में वृद्धि

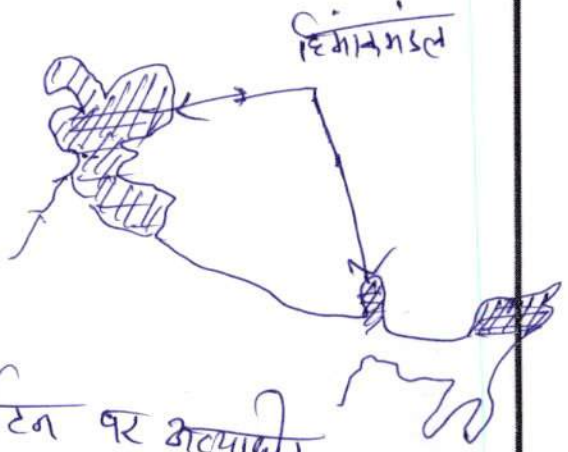

→ हिमालयी राज्यों की पर्यटन पर अत्यधिक बल

→ पर्यटन के कारण प्रदूषण से ताप अवशोषण में वृद्धि

→ प्रदूषण के कारण एल्बिडो में कमी

→ औद्योगिक क्षेत्रों का हिमालय के संवेदनशील क्षेत्रों तक विस्तार

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जलसुरक्षा के समक्ष संकट :-

① भारत की नदियों में पानी का अभाव
- प्रभाव – सिंचाई साधनों में कमी
  - फसल उत्पादन में कमी
  - खाद्य सुरक्षा के समक्ष संकट
  - पेयजल संकट

② समुद्र पर जल विसर्जन में कमी
- प्रभाव – मानसून की परिवर्तनशीलता प्रभावित
  - महासागरीय लवणता में वृद्धि
    - ⇓
    - महासागरीय धाराओं पर प्रभाव

③ नदियों के तट पर स्थित नगरों में जल संकट से नगरों की आर्थिक स्थिति प्रभावित

④ हिममंडल के पिघलने से बाढ़
- प्रभाव – तटीय क्षेत्रों में तबाही
  - कृषि विनाश
  - जनजीवन की क्षति
  - आर्थिक विकास का निम्न स्तर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रयास :- 'यूएनडीपी का सिक्योर हिमालय' इनीशिएटिव जिसके तहत समग्र पारितंत्र के संरक्षण का लक्ष्य रखना

⇒ नेशनल एक्शन प्लान फॉर सिक्योर हिमालय पारितंत्र (NAPSH) के तहत भारत सरकार की संरक्षण प्रतिबद्धता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Ocean warming, ocean acidification and ocean deoxygenation are often referred to as the 'deadly trio' for marine life. Discuss. **(250 words) 15**

महासागरीय तापन, महासागरीय अम्लीकरण और महासागरीय विऑक्सीकरण को प्राय: समुद्री जीवन के लिए 'घातक त्रयी' के रूप में संदर्भित किया जाता है। विवेचना कीजिए।

महासागरीय तापन के तहत महासागरीय जल के तापमान में वृद्धि को शामिल किया जाता है। जिसके तहत ऊपरी सागरीय सतह का तापन के कारण विस्तार होता है।

महासागरीय अम्लीकरण के तहत कार्बन डाइऑक्साइड व अन्य प्रदूषकों के अवशोषण के कारण महासागर में (H^+) की सान्द्रता में वृद्धि होती है।

महासागरीय विऑक्सीकरण के तहत महाद्वीपीय या महासागरीय क्षेत्रों के प्रदूषकों में होने वाली वृद्धि के कारण O_2 की मात्रा में कमी हो जाती है। जिससे जीवों की मृत्यु होने लगती है।

महासागरीय घातक त्रयी के कारण :-

⇒ बढ़ते ग्रीनहाउस गैस के कारण CO_2/N_2O का अवशोषण बढ़ना

⇒ जलवायु परिवर्तन के कारण महासागरीय तापमान में वृद्धि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ भौतिकवादी संस्कृति के कारण समुद्री उपयोग में वृद्धि

⇒ अत्यधिक मत्स्यन के कारण प्रदूषकों तत्वों को समुद्र में डालना जैसे-जाल, प्लास्टिक

प्रभाव :- दक्षिण हिंदमहासागर में व्हेल मछली द्वारा धरती चपाने की घटना

→ आर्कटिक क्षेत्रों में व्हेल प्रजनन दर में कमी

→ प्लास्टिक प्रदूषण के कारण प्रवाल विरंजन
↓
मछली के समक्ष खाद्य संकट
↓
खाद्य श्रृंखला प्रभावित व मृत्यु दर में वृद्धि

→ सूर्यातप अवशोषण में वृद्धि जिससे वैश्विक तापन में वृद्धि

→ मछलियों व अन्य प्रजातियों की संवेदनशीलता व संकट अवस्था के समक्ष उपस्थान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रयास :- ① लंदन कन्वेशन के तहत समुद्री प्रदूषण से निपटने का वैश्विक प्रयास

② तापन में कमी हेतु पेरिस कन्वेशन के तहत अपनायी गई प्रतिबद्धता

महासागरीय क्षेत्रों को भविष्य के खाद्य, ऊर्जा व संसाधन प्राप्ति के संभावना क्षेत्र कहा जाता है। जिनके सधारणीय प्रबंधन को बढ़ाने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Tribals in India continue to face myriad challenges with regard to healthcare. Discuss the issues faced by them in this context and suggest remedial measures. **(250 words) 15**

भारत में आदिवासियों को स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में निरंतर अनगिनत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में, उनके द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों की विवेचना कीजिए एवं उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

आदिवासी समुदाय की अपनी विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भाषायी विशेषता होती है। सामान्यतः ये दुर्गम एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवास करते हैं। हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार जनजातियों की स्वास्थ्य स्थिति निम्न स्तर की बनी हुई है.

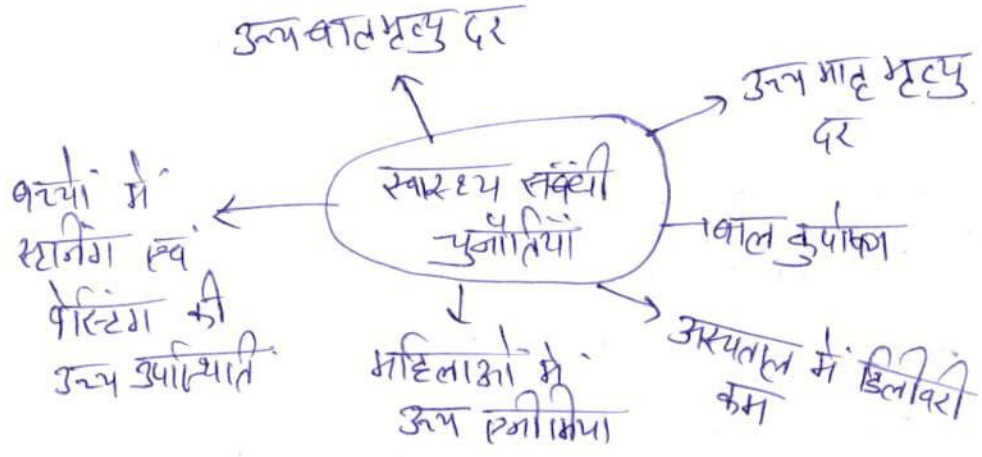

कारण :- मुख्यतया दुर्गम क्षेत्रों में निवास के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता कम

→ निम्न जीवन स्तर के कारण पोषण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर कम ध्यान

→ ~~ग्रामीण~~ क्षेत्रों में निवास के कारण उच्च रोग प्रवणता की संभावना

→ नवउदारवाद व अलगाववाद से प्रभावित होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं।

→ पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव

#प्रभाव :→ निम्न जीवन स्तर

- कार्यक्षमता का अभाव
- शिक्षा व स्वास्थ्य में कमी से अलगाववाद बढ़ने की संभावना
- उच्च बालमृत्यु दर से प्रजनन दर अधिक। जिसका प्रभाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है
- आउट ऑफ पॉकेट खर्च से गरीबी के चक्र में फंसना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रयास :- आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख का परिवार बीमा

⇒ पोषण अभियान के तहत जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

⇒ एकीकृत स्वास्थ्य व बाल विकास योजना

उपाय :- आर्थिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान तथा उन क्षेत्रों पर आर्थिक स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश

→ ई-हेल्थकेयर द्वारा सुविधा प्रदान

→ प्राथमिक स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूती

→ बाल व महिला मृत्यु के कारणों की पहचान व निवारण के प्रयास करना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Reservation for women perpetuates a "proxy culture" as seen in the phenomenon of "sarpanch patis". In this context, discuss whether reservation can address the issue of poor participation of women in Indian politics. **(250 words) 15**

महिलाओं के लिए आरक्षण एक "प्रॉक्सी कल्चर" को बनाए रखता है जैसा कि "सरपंच पति" की परिघटना में देखा जाता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या आरक्षण भारतीय राजनीति में महिलाओं की निम्न भागीदारी के मुद्दे का समाधान कर सकता है।

73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा महिलाओं को स्थानीय स्वशासन के तहत प्रत्येक स्तर पर 33% आरक्षण दिया गया है। जिससे महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है।

आरक्षण का प्रभाव :-

→ 'प्रॉक्सी कल्चर' में वृद्धि जिसके तहत महिला का प्रतिनिधित्व उसके पति, पिता या अन्य किसी पुरुष द्वारा किया जाता है। जिससे 'सरपंच पति' की परिघटना में वृद्धि हुई है।

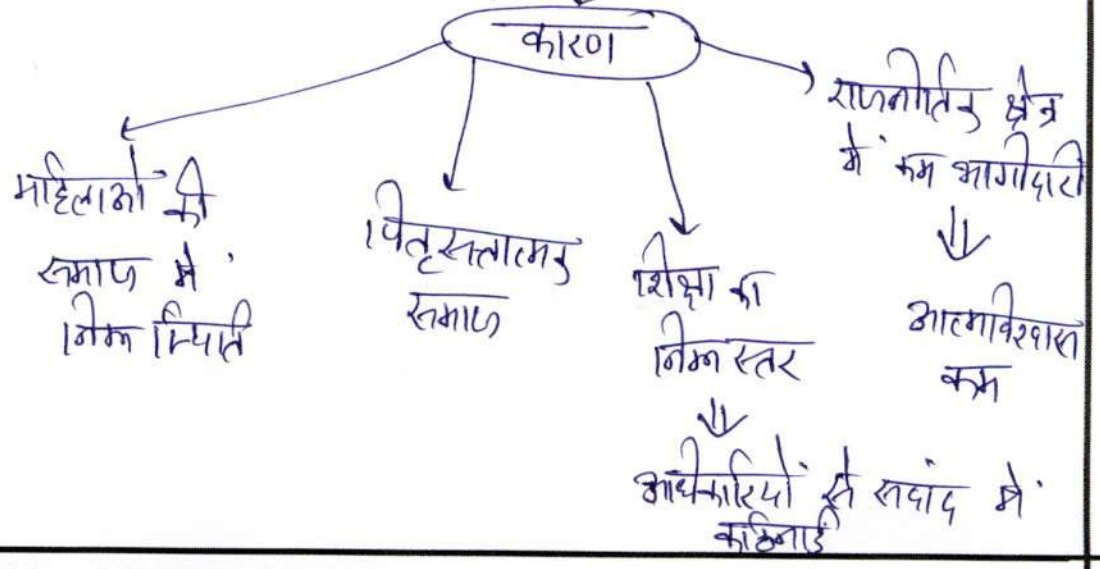

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रॉक्सी कल्चर का प्रभाव :-

→ आरक्षण के बावजूद सत्ता में भागीदारी नहीं

→ पितृसत्तात्मक सोच को बढ़ावा

→ महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सीमित करता है।

→ परिणामस्वरूप समाज में महिला की स्थिति दोयम दर्जे का व्यक्तित्व बनना है।

आरक्षण का महत्व :-

→ महिलाओं को घर से बाहर निकलने हेतु प्रोत्साहित जैसे - हरियाणा में महिला भागीदारी को देखते हुए आरक्षण 50%. किया गया है।

→ पुरुषों के दिमाग में महिला के महत्व की जागरूकता

→ महिला असंख्य वाले क्षेत्रों में पोषण व महिला सशक्तिकरण की स्थिति मजबूत हुई है

→ पितृसत्तात्मक सोच में कमी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ विधानसभा व संसद में प्रतिनिधित्व बढ़ाने में सहायक

हालांकि 'प्रॉक्सी कल्चर' ने महिला के अधिकारों को प्रभावित किया है लेकिन आरक्षण के कारण महिलाओं में आए आत्मविश्वास व राजनीति में बढ़ती हुई उनकी भागीदारी को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए आरक्षण को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।